PRGI. No.: MHMUL/25/A2419

प्यूपिल्स टाइम्स

PUPILS TIMES

Volume : 1 | Issue : 14 | Mumbai | Friday, 8 May to 14 May 2026 | Weekly | Pages: 8 | Price : 3 Rs.

सम्राट कैबिनेट का हुआ विस्तार

32 मंत्रियों ने ली शपथ; पीएम मोदी रहे मौजूद

प्यूपिल्स टाइम्स संवाददाता

पटना - बिहार की राजधानी पटना के ऐतिहासिक गांधी मैदान में एक भव्य समारोह आयोजित किया गया। जहां मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के मंत्रिमंडल का पहला बड़ा विस्तार संपन्न हुआ। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की मौजूदगी में राज्यपाल ने 32 नए मंत्रियों को पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। इनमें बीजेपी से 15, जेडीयू से 13, लोजपा (रामविलास) से 2, HAM और RLM से एक-एक मंत्री शामिल हैं।

आज के इस विस्तार में तय फॉर्मूले के मुताबिक भाजपा और जदयू के साथ-साथ सहयोगी दलों को भी कैबिनेट में महत्वपूर्ण स्थान मिला है। भाजपा ने अनुभवी चेहरों के साथ-साथ नए और युवा नेतृत्व पर भरोसा जताया है। वहीं, जदयू से पूर्व नीतीश कुमार के करीबी रणनीतिकारों के साथ-साथ उनके बेटे निशांत कुमार की एंट्री ने सबसे ज्यादा सुर्खियां बटोरीं। मंत्रिमंडल में भारतीय जनता पार्टी की ओर से इस बार अनुभव और क्षेत्रीय समीकरणों को प्राथमिकता दी गई है, जिसमें दिलीप जायसवाल, विजय कुमार सिन्हा, राम कृपाल यादव, प्रमोद चंद्रवंशी और लखेंद्र पासवान जैसे कद्दावर नेताओं को जगह मिली है। इनके साथ ही संजय सिंह टाइगर, रमा निषाद, नीतीश मिश्रा, केदार गुप्ता, मिथिलेश तिवारी, रामचंद्र प्रसाद, नंद किशोर राम, शैलेन्द्र कुमार, अरुण शंकर प्रसाद और श्रेयसी सिंह शामिल हैं।

पटना में पीएम मोदी का मैजिक

शपथ ग्रहण समारोह से पहले प्रधानमंत्री मोदी ने पटना एयरपोर्ट से गांधी मैदान तक एक विशाल रोड शो किया। करीब 8 किलोमीटर लंबे इस सफर में सड़कों के दोनों ओर हजारों की भीड़ ने पीएम का स्वागत किया। इसके बाद पीएम गांधी मैदान पहुंचे, जहां सुरक्षा के अभूतपूर्व इंतजामों के बीच बिहार की लोक संस्कृति छठ गीत और झिझिया नृत्य ने इस आयोजन को एक उत्सव में बदल दिया।

जेडीयू की सूची में सबसे अधिक चर्चा नए चेहरों की है, जिनमें मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के बेटे निशांत कुमार की राजनीतिक एंट्री ने सबसे ज्यादा सुर्खियां बटोरीं। उनके साथ शिवहर से विधायक डॉ. श्वेता गुप्ता और बुलो मंडल के रूप में नए नेतृत्व को मौका दिया गया है। वहीं, पुराने और भरोसेमंद चेहरों में श्रवण कुमार, मदन सहनी, लेसी सिंह, भगवान सिंह कुशवाहा, दामोदर रावत, सुनील कुमार, शीला मंडल, रत्नेश सदा, जमा खान और अशोक चौधरी पर मुख्यमंत्री ने एक बार फिर भरोसा जताया है।

यौन अपराधियों को नहीं मिलेगी पैरोल

महाराष्ट्र में दरिंदों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की तैयारी

मुंबई - महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने यौन अपराधों पर सख्ती बढ़ाने के लिए बड़ा कदम उठाया है। फडणवीस ने ऐसे आरोपियों को पैरोल (अस्थायी रिहाई) देने पर पूरी तरह रोक लगाने के उद्देश्य से नया कड़ा कानून तैयार करने के निर्देश दिए हैं। यह फैसला मंगलवार को हुई राज्य मंत्रिमंडल की बैठक के दौरान लिया गया, जहां मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को जल्द से जल्द कानूनी मसौदा तैयार कर प्रस्ताव पेश करने को कहा।

सूत्रों के अनुसार, मुख्यमंत्री ने बैठक में चिंता जताई कि राज्य में यौन अपराधों के कई मामलों में आरोपी पहले भी इसी तरह के अपराधों में शामिल रह चुके हैं। उन्होंने बताया कि लगभग 80 से 90 प्रतिशत मामलों में आरोपी वे होते हैं जो पहले गिरफ्तार हो चुके होते हैं, लेकिन पैरोल पर बाहर आने के बाद दोबारा अपराध कर बैठते हैं। इस प्रवृत्ति को रोकने के लिए उन्होंने सख्त कानूनी प्रावधान की आवश्यकता पर जोर दिया। फडणवीस ने यह भी उल्लेख किया कि उनके 2014 से 2019 के पिछले कार्यकाल के दौरान महाराष्ट्र सरकार ने इसी तरह का एक कानून लागू किया था, जिसके तहत यौन अपराधों के आरोपियों को पैरोल देने पर रोक लगाई गई थी। हालांकि, यह कानून करीब तीन साल तक लागू रहने के बाद न्यायालय द्वारा निरस्त कर दिया गया था। इस बार सरकार ऐसे प्रावधान लाने की तैयारी कर रही है जो न्यायिक जांच में भी टिक सकें और कानूनी रूप से मजबूत हों।

यह कदम हाल ही में पुणे जिले के भोर तहसील में सामने आए एक बेहद दर्दनाक मामले के बाद उठाया गया है। इस मामले में 65 वर्षीय एक व्यक्ति पर चार साल की बच्ची के साथ दुष्कर्म और हत्या का आरोप है। पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपी पहले भी दो बार इसी तरह के अपराधों में शामिल रह चुका था और पैरोल के दौरान ही उसने यह जघन्य वारदात अंजाम दी। इस घटना ने राज्य में कानून-व्यवस्था और पैरोल प्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

भर्ती में ना सिफारिश ना भ्रष्टाचार, सिर्फ मेरिट का हो सम्मान - सीएम योगी

योजनाओं के लाभार्थियों को मिले प्रमाण-पत्र

प्यूपिल्स टाइम्स संवाददाता

लखनऊ - उत्तर प्रदेश में सरकारी भर्ती प्रक्रिया को पारदर्शी, निष्पक्ष और तकनीक आधारित बताते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आयुष विभाग, व्यावसायिक शिक्षा एवं कौशल विकास विभाग तथा दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग के लिए चयनित 481 अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र वितरित किए।

लोकभवन में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'मिशन रोजगार' के तहत प्रदेश सरकार लगातार युवाओं को सरकारी नौकरियां उपलब्ध करा रही है।

उन्होंने दावा किया कि अब तक 9 लाख से अधिक युवाओं को सरकारी नियुक्तियां दी जा चुकी हैं और पूरी भर्ती प्रक्रिया में सिफारिश या भ्रष्टाचार की कोई गुंजाइश नहीं छोड़ी गई। सीएम योगी ने कहा कि पहले सरकारी भर्तियों में जाति, क्षेत्र, मत और पैसों के आधार पर चयन के आरोप लगते थे, जिससे योग्य अभ्यर्थियों के साथ अन्याय होता था।

लेकिन वर्तमान सरकार ने भर्ती प्रक्रिया में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित कर योग्यता को ही चयन का आधार बनाया है। उन्होंने कहा कि यदि अयोग्य और भ्रष्ट व्यक्ति व्यवस्था में प्रवेश कर जाए तो वह लंबे समय तक पूरे सिस्टम को प्रभावित करता है, इसलिए सरकार ने शुरूआत से ही भर्ती प्रक्रिया को भ्रष्टाचार और लीकेज से मुक्त बनाने का संकल्प लिया।

मुंबई मानसून से पहले मेयर रितु तावड़े ने किया नालों का निरीक्षण

सुस्त काम पर जताई नाराजगी

मुंबई - मुंबई में आगामी मानसून को ध्यान में रखते हुए नगर निगम ने तैयारियों को तेज कर दिया है। इसी क्रम में मुंबई की मेयर रितु तावड़े ने शहर के विभिन्न नालों की सफाई कार्यों का निरीक्षण किया और अधिकारियों को समय पर काम पूरा करने के निर्देश दिए।

मेयर रितु तावड़े ने माहूल नाले के पास, वसंतदादा कॉलेज के सामने निरीक्षण के दौरान बताया कि यह इलाका बीएमसी के जोन 5 के अंतर्गत आता है, जहां बड़े पैमाने पर नाले की गंदगी हटाने का काम किया जाना है। उन्होंने आईएएनएस से बात करते हुए कहा कि इस स्थान पर लगभग 3,364 किलो मीट्रिक टन नाले की गंदगी निकालने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है, लेकिन ठेकेदार द्वारा काम समय पर शुरू नहीं किया गया। अब तक केवल 869 मीट्रिक टन नाले की गंदगी ही हटाई जा सकी है, जो तय लक्ष्य की तुलना में काफी कम है।

मेयर ने इस धीमी प्रगति पर नाराजगी जताते हुए संबंधित अधिकारियों और ठेकेदार को काम में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि मानसून आने से पहले सभी नालों की सफाई पूरी करना बेहद जरूरी है, ताकि शहर में जलभराव की समस्या से बचा जा सके। हर साल बारिश के दौरान मुंबई के कई इलाकों में पानी जमा होने से आम जनजीवन प्रभावित होता है, जिसे रोकने के लिए इस बार विशेष सतर्कता बरती जा रही है।

इस बीच, बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) ने सफाई कार्यों में पारदर्शिता लाने के लिए एक नई पहल शुरू की है। इसके तहत नाले की गंदगी हटाने के स्थलों पर डिजिटल डैशबोर्ड लगाए जाएंगे, जिससे यह जानकारी रियल-टाइम में उपलब्ध रहेगी कि कितनी गाद निकाली गई है और काम की प्रगति क्या है। इससे न केवल निगरानी आसान होगी, बल्कि किसी भी प्रकार की अनियमितता को भी रोका जा सकेगा।

प्यूपिल्स टाइम्स

संपादकीय

राजनीतिक हठधर्मी...

पश्चिम बंगाल में खुद अपना भी चुनाव हारने के साथ ही बुरी पराजय का सामना करने के बाद ममता बनर्जी का यह कहना राजनीतिक हठधर्मी ही है कि वे मुख्यमंत्री पद से त्यागपत्र नहीं देंगी। ऐसा कहकर वे अपनी अलोकतांत्रिक मानसिकता का परिचय देने के साथ ही अपने उस अराजक राजनीतिक व्यवहार को भी रेखांकित कर रही हैं, जिसके चलते उनकी पार्टी को सत्ता से बाहर होना पड़ा। वे इसकी जानबूझकर अनदेखी कर रही हैं कि उनके साथ-साथ पराजय का सामना करने वाले तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने अपनी हार सहजता से स्वीकार कर ली और केरलम के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने तो ऐसा करने के साथ ही अपने पद से इस्तीफा भी दे दिया। लोकतंत्र में ऐसा ही होना चाहिए, लेकिन ममता बनर्जी एक तरह से बालहठ ही नहीं दिखा रही हैं, बल्कि राजनीतिक अपरिपक्वता का भी परिचय दे रही हैं।

राजनीति का लंबा अनुभव रखने वाली ममता बनर्जी इससे अनभिज्ञ नहीं हो सकतीं कि यदि वे इस्तीफा नहीं देतीं तो राज्यपाल उन्हें बर्खास्त कर सकते हैं या फिर राज्य में राष्ट्रपति शासन लागू करने की सिफारिश कर सकते हैं। यदि उनके हठ के कारण इसकी नौबत आई तो इससे उनकी फजीहत ही होगी। रह-रहकर संविधान की दुहाई देने वाली ममता बनर्जी जिस तरह इस्तीफा देने से मना कर रही हैं, उसकी मिसाल मिलना कठिन है। इस्तीफा न देने की जिद करके ममता बनर्जी अपने समर्थकों को यह संदेश देने की नाकाम कोशिश कर रही हैं कि उनके साथ अन्याय हुआ है, लेकिन इस तरह से वे न तो लोगों की सहानुभूति अर्जित कर सकती हैं और न ही अपने खोए हुए जनाधार को वापस पा सकती हैं। उन्हें यह पता होना चाहिए कि लोग सब कुछ तो भूल जाते हैं, लेकिन किसी का अहंकार आसानी से नहीं भूलते।

यदि ममता बनर्जी अपनी खोए हुए जनाधार को फिर से पाना चाहती हैं तो उन्हें जनादेश को विनम्रता से स्वीकार करना चाहिए। उनका तर्क है कि वे हारी नहीं, बल्कि उन्हें हराया गया है। साफ है कि वे यह समझने-मानने को तैयार नहीं कि उनकी पराजय का कारण उनका कुशासन और उसके चलते जनता की उनसे गहरी नाराजगी रही। यह बताने की जरूरत नहीं कि तृणमूल कांग्रेस कोई 10-15 सीटों के अंतर से बहुमत से दूर नहीं रही। वह 294 सीटों वाली विधानसभा में सौ सीटों तक भी नहीं पहुंच सकी। ममता बनर्जी खुद को हराए जाने का आरोप उछाल कर वही लाइन ले रही हैं, जो राहुल गांधी ने एक लंबे समय से पकड़ रखी है और जिसके तहत चुनाव की चोरी का राग अलापते रहते हैं। गत दिवस उन्होंने यही राग अलापते हुए कहा कि असम और बंगाल में भाजपा ने चुनाव आयोग के समर्थन से चुनाव की चोरी की। प्रश्न यह है कि आखिर केरलम के बारे में उनकी क्या राय है, जहां कांग्रेस के नेतृत्व वाले गठबंधन ने जीत हासिल की है?

गोवंडी में मॉनसून से पहले नालों की सफाई में देरी

रहवासियों ने जताई बाढ़ और बीमारियों की आशंका

प्यूपिल्स टाइम्स संवाददाता

मुंबई - मुंबई के गोवंडी इलाके में मॉनसून से पहले होने वाले नालों की सफाई (डिसिल्टिंग) में देरी को लेकर स्थानीय लोगों ने गंभीर चिंता जताई है। रहवासियों का कहना है कि समय पर काम शुरू नहीं होने से इस साल बाढ़ और स्वास्थ्य संकट का खतरा बढ़ सकता है।

जानकारी के अनुसार, एम-ईस्ट, एम-वेस्ट और एल वार्ड के कई बड़े नालों में अब तक जरूरी सफाई कार्य शुरू नहीं हुआ है, जबकि मॉनसून आने में बहुत कम समय बचा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि अगर जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो स्थिति गंभीर हो सकती है।

नगर निगम ने देरी के पीछे कई कारण बताए हैं, जिनमें ठेकेदारों की कमी, पिछले घोटालों की जांच के बाद प्रक्रिया में देरी और उपकरणों की चोरी जैसी समस्याएं शामिल हैं।

साथ ही अधिकारियों ने यह भी कहा कि नालों में कचरा फेंकना भी एक बड़ी समस्या है, जिससे सफाई कार्य प्रभावित होता है। रहवासियों ने आरोप लगाया है कि प्रशासन अपनी जिम्मेदारी ठीक से नहीं निभा रहा है। इस मामले में एक कानूनी नोटिस भी भेजा गया है, जिसमें कहा गया है कि नालों की सफाई में लापरवाही नागरिकों के जीवन के अधिकार का उल्लंघन है।

स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि अगर पानी जमा हुआ तो मलेरिया, लेप्टोस्पायरोसिस और अन्य बीमारियों का खतरा बढ़ सकता है। गोवंडी पहले से ही खराब स्वच्छता और जलभराव की समस्या से जूझता रहा है, जिससे स्थिति और बिगड़ सकती है।

प्रशासन ने आश्वासन दिया है कि नए ठेकेदारों की नियुक्ति के बाद जल्द ही काम शुरू कर दिया जाएगा, लेकिन स्थानीय लोग अब भी स्थिति को लेकर चिंतित हैं।

नवी मुंबई में 64 शराब पीकर गाड़ी चलाने वालों पर कार्रवाई

गौरव सिंह/नवी मुंबई

नवी मुंबई - नवी मुंबई में ट्रैफिक नियम तोड़ने वालों पर ऐसी ही कार्रवाई की जा रही है। इस कैंपेन में 64 ड्राइवर शराब पीकर गाड़ी चलाते पाए गए। इन सभी को हिरासत में लेकर उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की गई। इस बारे में अपील करते हुए पुलिस डिप्टी कमिश्नर (ट्रैफिक) तिरुपति काकड़े ने कहा कि ड्रंक एंड ड्राइव के खिलाफ यह कैंपेन रेगुलर जारी रहेगा। ट्रैफिक नियम तोड़कर गैर-जिम्मेदाराना तरीके से गाड़ी चलाने वालों पर सख्त कार्रवाई

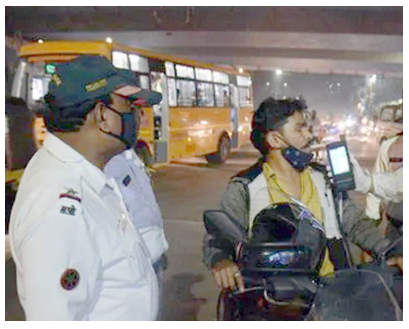

पुलिस ने 27 अप्रैल से 4 मई के बीच ड्रंक एंड ड्राइव के खिलाफ स्पेशल कैंपेन चलाकर 64 शराब पीकर गाड़ी चलाने वालों पर कार्रवाई की है। यह कार्रवाई नवी मुंबई पुलिस कमिश्नरेट की सीमा में की गई।

क्योंकि शराब पीकर गाड़ी चलाने की वजह से होने वाले एक्सीडेंट में बेकसूर लोगों की जान चली जाती है, इसलिए ट्रांसपोर्ट डिपार्टमेंट लगातार लोगों को जागरूक करता है। फिर भी, इस कैंपेन से यह साफ हो गया है कि शराब पीकर गाड़ी चलाना जारी है। ट्रैफिक पुलिस की तरफ से समय-समय पर ऐसे स्पेशल कैंपेन चलाए जाएंगे।

स्व-गणना प्रक्रिया शुरू

16 मई से 14 जून तक घर-घर जाकर गणना

नई दिल्ली - भारत की जनगणना प्रक्रिया में एक बड़ा डिजिटल परिवर्तन लाया गया है, जिसके तहत 2027 की जनगणना उन्नत डिजिटल प्रणालियों का उपयोग करके आयोजित की जाएगी। पहली बार, स्व-गणना (एसई) सुविधा शुरू की गई है, जिससे व्यक्ति अपने परिवार का विवरण ऑनलाइन जमा कर सकेंगे, जो सरकार की डिजिटल इंडिया पहल के अनुरूप है। महाराष्ट्र में इस ऑनलाइन प्रक्रिया के लिए 15 दिनों की एक विशेष अवधि निर्धारित की गई है, जो 1 मई से 15 मई, 2026 तक चलेगी।

यह सुविधा भारत के रजिस्ट्रार जनरल और जनगणना आयुक्त कार्यालय द्वारा विकसित एक सुरक्षित सरकारी पोर्टल के माध्यम से उपलब्ध कराई गई है। इस प्लेटफॉर्म को इस तरह से डिजाइन किया गया है कि परिवारों को अपनी सुविधानुसार प्रक्रिया पूरी करने में आसानी हो। मुंबई में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए डॉ. निरुपमा जे. डांगे ने बताया कि डेटा संग्रह की दक्षता, सटीकता और समयबद्धता में सुधार लाने के लिए यह पहल शुरू की गई है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि प्रक्रिया को सरल और उपयोगकर्ता के अनुकूल रखा गया है, जिससे व्यापक भागीदारी सुनिश्चित हो सके।

कल्याण से 7 मोटरसाइकिल चुराने वाले शातिर युवा चोर गिरफ्तार

कल्याण - मार्केट पुलिस ने कल्याण शहर से चार चोरों को गिरफ्तार किया है जो पिछले कुछ महीनों से कल्याण शहर के अलग-अलग इलाकों में पब्लिक सड़कों, घरों के सामने और मार्केट से मोटरसाइकिल चुरा रहे थे। पुलिस ने उनके पास से दोपहिया वाहन सवारों से चुराए गए सात दोपहिया वाहन जब्त किए हैं। पुलिस जांच कर रही है कि क्या इन चोरों ने और भी दोपहिया वाहन चुराए हैं।

गिरफ्तार आरोपियों के नाम समर्थ नरसु पाटिल (19, साई रचना सोसायटी, न्यू मनीषनगर, बेतुरकरपाड़ा, कल्याण), हर्ष रमेश परदेशी (21, निवासी कृष्णा कॉलोनी, बेतुरकरपाड़ा, कल्याण), प्रणित दिनेश शिताप (21, निवासी माधवी चाल, शिवनगर, पाथेरगांव, कल्याण), रंगनाथ उर्फ सागर सुखदेव धवले (18, निवासी दलवी चाल, वाडेघर, कल्याण) हैं।

कल्याण शहर के अलग-अलग इलाकों में पिछले कुछ महीनों में मोटरसाइकिल चोरी

की संख्या बढ़ गई थी। पुलिस स्टेशन में ऐसे अपराधों की रिपोर्ट होने की दर ज्यादा थी। इसलिए, इस मामले में बाजारपेट पुलिस चोरों के पीछे लगी हुई थी। बाजारपेट पुलिस स्टेशन के असिस्टेंट पुलिस इंस्पेक्टर प्रशांत अंधाले और क्राइम इन्वेस्टिगेशन टीम के कांस्टेबल को सीक्रेट जानकारी मिली कि कल्याण शहर में मोटरसाइकिल चुराने वाला समर्थ नरसु पाटिल नाम का एक चोर बेतुरकरपाड़ा साई रचना सोसाइटी में एक टू-व्हीलर के साथ खड़ा है। यह जानकारी मिलते ही और इस जानकारी पर यकीन होने के बाद, बाजारपेट पुलिस टीम तुरंत बेतुरकरपाड़ा पहुँची। चोर समर्थ पाटिल को भागने का मौका दिए बिना, उसे मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तारी के बाद, अच्छी तरह से पूछताछ करने पर उसने पुलिस को अपने बाकी तीन साथियों के नाम बताए। पुलिस ने उन्हें भी गिरफ्तार कर लिया।

आओ खेलें

	8	6	7	4	5	E		F	C				9	1	
		3		2		C	A	5			1	6	G		
			C		F	9	D	8		B	6	E	A		
	D	1	A		B			E							C
E		F			4				G	3		C	7	8	
		B	3	9			7	C	E	6	A	2	4	5	
C	G	2	5	6		3			8				D	A	F
		7	4			G		9		D	F				1
	A	E				1		D		F	4		C		5
	5	4	F	D	C			3		G	B		6	9	E
6	7		G			5			9	C	E	A		B	D
	B	C	9				6		1					F	
F		G			6				A	2					
4				5						8		1		7	
	E	D		C		4		7	F	1		G	3		
			1	G		D	F				5	B		C	4

प्यूपिल्स टाइम्स

मुंबई-पुणे एक्सप्रेस-वे को मिली नई रफ्तार

प्यूपिल्स टाइम्स संवाददाता

मुंबई - महाराष्ट्र दिवस के मौके पर मुंबई-पुणे एक्सप्रेस-वे से जुड़ी बहुप्रतीक्षित 'मिसिंग लिंक परियोजना' का लोकार्पण हो गया. मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और सुनेत्रा पवार ने इस महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट का उद्घाटन किया. करीब 6,695 करोड़ रुपये की लागत से तैयार यह लिंक न सिर्फ यात्रा को 6 किलोमीटर छोटा करेगा, बल्कि करीब 30 मिनट का समय भी बचाएगा. खंडाला घाट के खतरनाक मोड़ों से मुक्ति दिलाने वाली यह परियोजना अत्याधुनिक सुरंगों और भव्य केबल-स्टे ब्रिज के कारण इंजीनियरिंग का नया मानक मानी जा रही है.

यह नया मार्ग मुंबई की ओर खोपोली को लोनावला के पास कुसगांव से जोड़ता है. इसके शुरू होने से पुराने घाट सेक्शन का लगभग 70 फीसदी ट्रैफिक डायवर्ट होने की उम्मीद है. नई लिंक से मुंबई-पुणे के बीच की दूरी करीब 6 किलोमीटर कम हो जाएगी. सीधा और सुगम मार्ग मिलने से यात्रियों के समय में औसतन 30 मिनट की बचत होगी और ईंधन की खपत भी घटेगी.

प्रोजेक्ट में दो ट्विन टनल बनाई गई हैं पहली 8.92 किमी लंबी और दूसरी करीब 1.75 किमी लंबी है. दोनों सुरंगें 8-लेन क्षमता वाली हैं, जिसमें हर दिशा में 4 लेन हैं. अंदर वेंटिलेशन, आधुनिक लाइटिंग और आपातकालीन निकास की विश्वस्तरीय सुविधा दी गई है.

परियोजना का सबसे आकर्षक हिस्सा टाइगर वैली के ऊपर बना 650 मीटर लंबा केबल-स्टे ब्रिज है. इसके खंभे 182 से 184 मीटर ऊंचे हैं और यह 252 किमी प्रति घंटे की रफ्तार वाली हवाओं को झेलने में सक्षम है. इसका मुख्य स्पैन 305 मीटर का है.

निकट डेडलाइन वाली योजना विवो कन्या ज्ञान शिष्यवृत्ती 2025–26

प्यूपिल्स टाइम्स / शिक्षा डेस्क

नई दिल्ली/मुंबई - देशभर में विद्यार्थियों के लिए इस समय अनेक छात्रवृत्तियाँ खुली हैं। निकट डेडलाइन वाली योजनाओं में Vivo Kanya Gyan Scholarship 2025–26 सबसे प्रमुख है, जिसकी अंतिम तिथि 11 मई 2026 है। यह छात्रवृत्ति STEM कोर्स में अध्ययनरत छात्राओं को रु. 60,000 प्रतिवर्ष (अधिकतम 3 वर्ष) प्रदान करती है। आवेदन लिंकः https://tinyurl.com/bdakpbdj

इसी क्रम में JKLU–HSB Scholarship 2026 (अंतिम तिथिः 26 मई) और Dr. Rajendra Prasad Scholarship 2026–27 (अंतिम तिथिः 28 जून) भी विद्यार्थियों के लिए महत्वपूर्ण अवसर हैं। इनके आवेदन लिंक क्रमशः https://tinyurl.com/4cm6b6ej और https://tinyurl.com/39aatzjf हैं।

राष्ट्रीय स्तर पर NSP Central Sector Scheme, PM YASASVI Scholarship और INSPIRE Scholarship जैसे कार्यक्रम सक्रिय हैं, जिनके लिए आवेदन क्रमशः https://scholarships.gov.in, https://yet.nta.ac.in और https://online-inspire.gov.in पर किया जा सकता है। तकनीकी शिक्षा के विद्यार्थियों हेतु AICTE की Pragati (Girls) एवं Saksham (Divyang) योजनाएँ तथा सिंगल गर्ल चाइल्ड के लिए UGC व CBSE की छात्रवृत्तियाँ भी उपलब्ध हैं (https://www.aicte-india.org, https://www.ugc.ac.in, https://www.cbse.gov.in)।

महाराष्ट्र के विद्यार्थियों के लिए MahaDBT पोर्टल (https://mahadbt.maharashtra.gov.in) के माध्यम से राजर्षि शाहू महाराज, अहिल्यादेवी होलकर, DTE तथा अल्पसंख्यक छात्रवृत्तियाँ संचालित हैं।

विशेष श्रेणियों में दिव्यांग विद्यार्थियों के लिए AICTE Saksham व National Fellowship, तथा सैनिक आश्रितों के लिए PM Scholarship Scheme (https://ksb.gov.in) उपलब्ध हैं।

महत्वपूर्ण सलाहः आवेदन से पहले आधिकारिक वेबसाइट की पुष्टि करें, आवश्यक दस्तावेज तैयार रखें और अंतिम तिथियों का विशेष ध्यान दें। विशेषज्ञों के अनुसार, 'समय पर सही आवेदन ही छात्रवृत्ति प्राप्ति की कुंजी है।'

ठाणे में 21 लाख रुपये मूल्य का गांजा बरामद, तीन लोग गिरफ्तार

ठाणे - महाराष्ट्र के ठाणे जिले में पुलिस ने तीन लोगों के पास से 21.4 लाख रुपये मूल्य का गांजा बरामद होने के बाद उन्हें गिरफ्तार कर लिया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

कल्याण के वाडेघर में एक कूड़ा स्थल के पास गश्त के दौरान पुलिस के मादक पदार्थ रोधी प्रकोष्ठ (एएनसी) की एक टीम ने बोरी लिए हुए तीन व्यक्तियों की संदिग्ध गतिविधियां देखी। कल्याण संभाग के पुलिस उपायुक्त अतुल झेंडे ने मंगलवार शाम पत्रकारों से कहा, एएनसी की टीम को देखकर संदिग्धों ने भागने की कोशिश की, लेकिन थोड़ी देर पीछा करने के बाद उन्हें पकड़ लिया गया। उनके बैग की तलाशी लेने पर 21.4 लाख रुपये मूल्य का 107.5 किलोग्राम गांजा बरामद हुआ। पुलिस ने उनके मोबाइल फोन और नकदी भी जब्त की, जिनकी कुल कीमत 51,500 रुपये है।

अधिकारियों ने बताया कि आरोपियों की पहचान ठाणे जिला निवासी वसीम नूरुजामा खान उर्फ पीला (36) और दिनेशकुमार सरोज (30) तथा मुंबई निवासी मोहित वर्मा (27) के रूप में हुई। उनके खिलाफ स्वापक औषधि एवं मनः प्रभावी पदार्थ (एनडीपीएस) अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया।

अधिकारी ने बताया कि आरोपियों के खिलाफ पहले भी मुंबई के घाटकोपर थाने में एनडीपीएस अधिनियम के तहत मामले दर्ज किए गए थे।

नवी मुंबई पुलिस ने किया ड्रग तस्करों की अवैध संपत्ति को किया ध्वस्त

गौरव सिंह/नवी मुंबई

नवी मुंबई - अपनी तरह की पहली कार्रवाई में, नवी मुंबई पुलिस ने सिडको के साथ सही प्रोसेस को फॉलो करने के बाद, दीघा में कथित ड्रग तस्कर शांताबाई करदेकर से जुड़े एक गैर-कानूनी दो-मंज़िला स्ट्रक्चर को गिराने में मदद की। यह शहर में ऑर्गनाइज्ड क्राइम के खिलाफ एक बड़ी कार्रवाई है।

भारी पुलिस तैनाती के साथ यह गिराया गया, जब अधिकारियों को पता चला कि प्रॉपर्टी नारकोटिक्स ट्रैफिकिंग से मिले पैसों से बनाई गई थी। अधिकारियों ने कहा कि यह कार्रवाई सिडको द्वारा जारी नोटिस के बाद की गई, जिन पर ध्यान नहीं दिया गया, जिससे जॉइंट एनफोर्समेंट को बढ़ावा मिला। करदेकर, अपने साथियों के साथ मिलकर पिछले सात-आठ सालों से दीघा इलाके में ड्रग ट्रैफिकिंग नेटवर्क चला रही थी। इससे पहले, एंटी-नारकोटिक्स सेल ने ओमकार अपार्टमेंट्स में एक फ्लैट पर छापा मारा था, गैंग के सदस्यों को गिरफ्तार किया था, और बड़ी मात्रा में ड्रग्स जब्त किए थे। करदेकर 7-8 साल से नेटवर्क चला रहा था जांच में पता चला कि गैंग ऑर्गनाइज्ड तरीके से काम करता था और मर्डर और मर्डर की कोशिश जैसे गंभीर अपराधों में शामिल था, जिसके कारण महाराष्ट्र कंट्रोल ऑफ ऑर्गनाइज्ड क्राइम एक्ट के तहत कार्रवाई हुई। पुलिस ने कहा कि करदेकर ने गैर-कानूनी कमाई से करीब 32 लाख रुपये में प्रॉपर्टी खरीदी थी और बाद में गैर-कानूनी कंस्ट्रक्शन किया। कई नोटिस के बावजूद, स्ट्रक्चर खाली नहीं किया गया। असिस्टेंट कमिश्नर ऑफ पुलिस राहुल धास (रबाले डिवीजन) ने कहा कि आरोपी अपने साथियों के जरिए नारकोटिक्स का धंधा चलाता था और कमाई को गैर-कानूनी प्रॉपर्टी में इन्वेस्ट करता था। MCOCA की कार्रवाई के बाद, पुलिस ने सिडको के साथ मिलकर बिना इजाजत कंस्ट्रक्शन के खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू की, जिसके बाद उसे गिराया गया।

पाँच राज्यों के चुनाव: राजनीतिक परिवर्तन, राज्य-नीति और राष्ट्रीय प्रभाव का समग्र विश्लेषण

पश्चिम बंगाल, केरल, पुडुचेरी, असम और तमिलनाडु के विधानसभा चुनाव 2026 ने भारतीय राजनीति में निर्णायक परिवर्तन के संकेत दिए हैं। इन चुनावों ने क्षेत्रीय दलों की शक्ति-संतुलन, राष्ट्रीय गठबंधनों की स्थिति और आगामी संसदीय गणित को प्रत्यक्ष रूप से प्रभावित किया है।

असम में भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए को 126 में से 102 सीटों के साथ लगातार तीसरी बार स्पष्ट बहुमत मिला, जिससे राज्य में राजनीतिक स्थिरता और केंद्र-राज्य समन्वय की निरंतरता सुनिश्चित हुई है। पश्चिम बंगाल में भाजपा ने 206 सीटें जीतकर 15 वर्ष पुरानी तृणमूल कांग्रेस सरकार को सत्ता से बाहर किया, जिससे राष्ट्रीय राजनीति में पूर्वी भारत की ध्रुवीयता पुनर्गठित हुई है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी स्वयं भवानीपुर से पराजित हुईं।

केरल में कांग्रेस-नेतृत्व वाले यूडीएफ ने 140 में से 102 सीटें जीतकर 10 वर्ष बाद एलडीएफ को सत्ता से हटाया। 13 मंत्रियों की पराजय के साथ मुख्यमंत्री पिनारायी विजयन ने त्यागपत्र दिया। यहाँ त्रिकोणीय नहीं, यूडीएफ का स्पष्ट बहुमत स्थापित हुआ। पुडुचेरी में एनडीए ने 30 में से 17 सीटें जीतकर सरकार बरकरार रखी और एन. रंगासामी पाँचवीं बार मुख्यमंत्री बने।

तमिलनाडु में अभिनेता विजय की नवगठित तमिलगा वेत्री कझगम 107 सीटों के साथ सबसे बड़ी पार्टी बनी, जिससे 1967 से चली आ रही डीएमके-एआईएडीएमके की द्विध्रुवीय व्यवस्था समाप्त हुई। मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन स्वयं पराजित हुए। यहाँ 234 सदस्यीय सदन में किसी दल को बहुमत नहीं मिला, जिससे पहली बार त्रिशंकु विधानसभा बनी है।

लोकसभा पर इन परिणामों का तत्काल प्रभाव नहीं होता, क्योंकि संसद की संरचना भिन्न समय-चक्र पर आधारित है। हालाँकि, 2029 के आम चुनावों की रणनीति पर इसका प्रत्यक्ष प्रभाव पड़ेगा। पश्चिम बंगाल की 206 और असम की 82 सीटों से भाजपा की स्थिति मजबूत हुई है, जबकि केरल की 63 सीटों से कांग्रेस को दक्षिण में लाभ मिलेगा। तमिलनाडु में टीवीके 39 लोकसभा सीटों पर किंगमेकर की भूमिका में आ गई है।

राज्यसभा की संरचना पर इसका दीर्घकालिक प्रभाव निश्चित है, क्योंकि विधानसभा परिणाम राज्यसभा चुनावों में संख्या-बल निर्धारित करते हैं। 2026-2028 में केरल की 9 में से 7-8 सीटें यूडीएफ को, पश्चिम बंगाल की 5 में से 4 सीटें भाजपा को और असम की 2 सीटें एनडीए को मिलने की संभावना है। इससे राज्यसभा में भाजपा का संख्याबल 100 पार कर सकता है, जिससे राष्ट्रीय विधायी प्रक्रिया सुगम होगी।

इन चुनावों का सबसे बड़ा प्रभाव राज्यों की नीतिगत दिशा पर पड़ेगा। पश्चिम बंगाल में भ्रष्टाचार विरोध और औद्योगिक निवेश, केरल में भर्ती घोटालों की जाँच, असम में अवैध-प्रवासी नीति की निरंतरता और तमिलनाडु में युवा-रोजगार व भ्रष्टाचार-मुक्त शासन प्राथमिक एजेंडा होंगे।

2026 के ये चुनाव केवल सत्ता परिवर्तन नहीं, बल्कि भारतीय संघीय राजनीति के पुनर्संतुलन का प्रमाण हैं। इनमें सत्ता-विरोध लहर, युवा-फैक्टर और क्षेत्रीय विकल्पों का उभार स्पष्ट दिखा, जिनका प्रभाव 2029 तक के चुनावी चक्रों पर रहेगा।

भारत की आत्मा: सांस्कृतिक निरंतरता और संवैधानिक संतुलन का विमर्श

प्यूपिल्स टाइम्स संवाददाता

मुंबई - भारत केवल एक भौगोलिक इकाई नहीं, बल्कि एक दीर्घ ऐतिहासिक-सांस्कृतिक परंपरा का प्रतिनिधित्व करता है, जिसकी

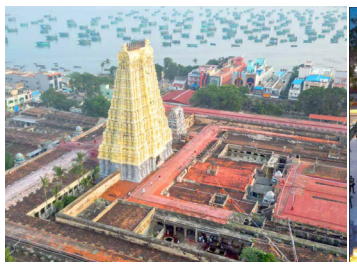

जड़ें वेद-उपनिषद, योग, आयुर्वेद तथा वसुधैव कुटुम्बकम् जैसी विचारधाराओं में निहित हैं। इस सभ्यतामूलक निरंतरता ने भारतीय समाज को एक विशिष्ट सांस्कृतिक पहचान प्रदान की है।

काशी, अयोध्या, मथुरा, उज्जैन और रामेश्वरम जैसे तीर्थ स्थल केवल धार्मिक केंद्र नहीं, बल्कि भारतीय सांस्कृतिक स्मृति और ऐतिहासिक चेतना के महत्वपूर्ण प्रतीक हैं। इसी प्रकार दीपावली, होली और नवरात्रि जैसे पर्व सामाजिक समरसता तथा सांस्कृतिक एकता को सुदृढ़ करते हैं।

भारतीय संदर्भ में 'हिंदुत्व' को कई विद्वान सांस्कृतिक-सभ्यतामूलक पहचान के रूप में व्याख्यायित करते हैं। सर्वोच्च न्यायालय ने भी विभिन्न निर्णयों में यह संकेत दिया है कि इसका प्रयोग सदैव धार्मिक अर्थों तक सीमित नहीं माना जा सकता, बल्कि इसे भारतीय जीवन-शैली के व्यापक संदर्भ में भी समझा जा सकता है।

परंतु भारतीय संविधान अनुच्छेद 25 से 30 तक धार्मिक स्वतंत्रता, अनुच्छेद 14-15 में समानता तथा प्रस्तावना में धर्मनिरपेक्षता की गारंटी देता है। यह भारत की सबसे बड़ी शक्ति है कि यहाँ विविध परंपराएँ सह-अस्तित्व के साथ विकसित हुई हैं।

भारत की पहचान सांस्कृतिक गौरव और संवैधानिक संतुलन के समन्वय में निहित है, जहाँ विविधता में एकता ही इसकी वास्तविक आत्मा है।

पैसे के झगड़े में युवक की हत्या

ठाणे - कल्याण क्राइम ब्रांच, घटक-03 की एक टीम ने 12 साल पहले हुए किडनैपिंग और मर्डर केस को सुलझा लिया है। इस केस की वजह से रील स्टार सुरेंद्र पांडुरंग पाटिल का एक और बड़ा कारनामा सामने आया है। उसके साथ चंद्रकांत बलराम गायकर और सुरेश गोपाल डेगावत उर्फ छोटू को गिरफ्तार किया गया है।

जांच में पता चला कि सात एकड़ जमीन के लेन-देन में पैसे के झगड़े में करण अरविंद बागुल नाम के युवक की हत्या कर दी गई थी और उसकी लाश मुरबाद के एक जंगल में फेंक दी गई थी, ठाणे क्राइम ब्रांच के डिप्टी कमिश्नर ऑफ पुलिस अमरसिंह जाधव ने बताया। कुछ दिन पहले, बदनाम रील स्टार सुरेंद्र पाटिल के घर से हथियारों का जखीरा मिलने के बाद उसे गिरफ्तार किया गया था।

डोंबिवली ईस्ट के दावड़ी से 2014 में एक 23 साल के युवक के किडनैप होने का केस मानपाड़ा पुलिस स्टेशन में दर्ज किया गया था। जब इस क्राइम की जांच चल रही थी, तभी क्राइम ब्रांच को मिली सीक्रेट जानकारी के आधार पर एक सस्पेक्ट को कस्टडी में लिया गया। कल्याण क्राइम ब्रांच पुलिस ऑफिसर सरजेराव पाटिल की टीम ने जब उससे पूरी पूछताछ की, तो उसने अपने दूसरे साथियों के साथ मिलकर मर्डर करना कबूल कर लिया। 4 अक्टूबर 2014 को उसे किडनैप कर लिया गया था, जब उसका रील स्टार सुरेंद्र पाटिल और मृतक करण बागुल के साथ लैंड डेवलपमेंट के लिए पैसे के लेन-देन को लेकर झगड़ा हुआ था। उसे मुख्य आरोपी पाटिल दावड़ी में पाटिल के एक ऑफिस में ले गया, जहाँ उसने लोहे की रॉड से उसके सिर और चेहरे पर वार किया। उसके बाद, दूसरे साथियों की मदद से, लाश को कार में मुरबाद के बारवी डैम के पास जंगल में ले जाकर ठिकाने लगा दिया गया।

सुनेत्रा पवार ने रचा इतिहास

सबसे बड़े वोट मार्जिन से दर्ज की जीत

बारामती - महाराष्ट्र के बारामती विधानसभा उपचुनाव में सुनेत्रा पवार ने ऐतिहासिक जीत दर्ज की है. अंतिम दौर की गिनती में ही उन्हें 9,212 वोट मिले हैं. इसी के साथ उन्होंने 2 लाख 18 हजार 930 वोटों के भारी अंतर से जीत हासिल कर ली है. ये जीत का अंतर पूरे देश में अब तक का सबसे बड़ा रिकॉर्ड है.

सुनेत्रा पवार ने इन आंकड़ों के साथ उत्तर प्रदेश की साहिबाबाद सीट का रिकॉर्ड तोड़ दिया है. साल 2022 में वहां सुनील कुमार शर्मा ने 2,14,835 वोटों के अंतर से जीत दर्ज की थी.

बारामती के इस उपचुनाव में कुल 2,23,000 वोट पड़े. यहां कुल 4,82,000 रजिस्टर्ड मतदाता हैं, जिनमें से 58% ने मतदान किया. ये मतदान प्रतिशत 2024 के विधानसभा चुनाव (72%) के मुकाबले में कम रहा.

इस ऐतिहासिक जीत के बाद सुनेत्रा पवार ने मतदाताओं का शुक्रिया अदा किया. उन्होंने शरद पवार के समर्थन पर भी प्रतिक्रिया दी. सुनेत्रा पवार ने कहा, अजित पवार के चले जाने के बाद ये पहला चुनाव है. मैंने कभी नहीं सोचा था कि मुझे ये चुनाव लड़ना पड़ेगा. बारामती के लोगों का ये प्यार और वोट अजित दादा को सच्ची श्रद्धांजलि है. मैं तहे दिल से सभी का शुक्रिया अदा करती हूं. सुनेत्रा ने आगे कहा, बारामती मेरा परिवार है. शरद पवार सहित मुझे जो समर्थन मिला है, वो मेरे लिए बहुत मायने रखता है. मैं लोगों के लिए काम करना जारी रखूंगी और विकास की विरासत को आगे ले जाने का प्रयास करूंगी.

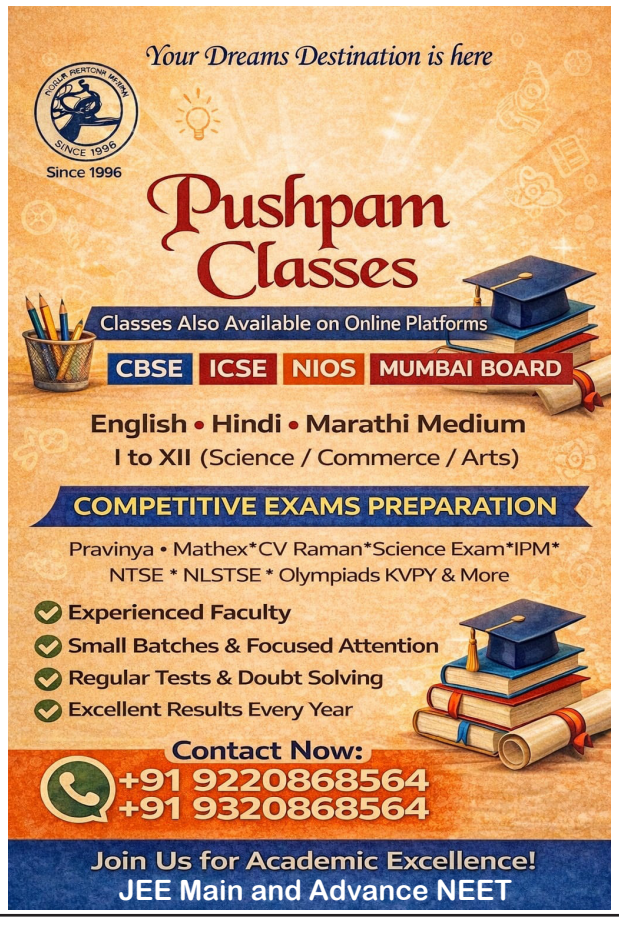

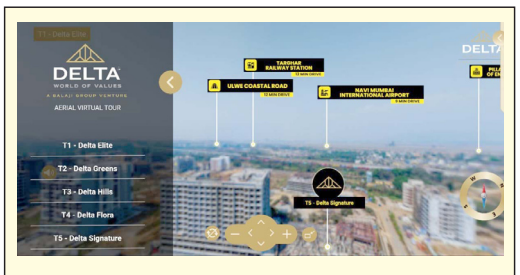

Step into the Future with ASR Digi!

Imagine exploring properties, products, and places without leaving your home! With our state-of-the-art Virtual Reality Tours, your audience can experience your offerings like never before.

Our Services Include:

- Immersive Virtual Tours
- Captivating Drone Videography
- Realistic 3D Renders
- Scale Models
- Influencer & YouTube Marketing
- Professional Website Development
- Side Branding with LED Screens

Don't just tell your Story-show it in stunning detail!

Contact us today!
Satish Pandey from Navi Mumbai
8879895829 / 9619574572
www.asrdigi.com

प्यूपिल्स टाइम्स

पीपीपी पॉलिसी 2026 को मंजूरी

प्यूपिल्स टाइम्स संवाददाता

मुंबई - महाराष्ट्र के राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा ने कहा है कि विदेशी निवेश को आकर्षित करने के लिए राज्य सरकार ने अपने प्रोटोकॉल विभाग का विस्तार किया है। इसके तहत फॉरेन डायरेक्ट इन्वेस्टमेंट, डायस्पोरा अफेयर्स और इंटरनेशनल आउटरीच पर केंद्रित नए डिवीजन बनाए गए हैं, ताकि वैश्विक स्तर पर राज्य की भागीदारी और निवेश क्षमता को मजबूत किया जा सके।

महाराष्ट्र डे और इंटरनेशनल वर्कर्स डे के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में राज्यपाल ने कहा कि राज्य में इंफ्रास्ट्रक्चर और सर्विस सेक्टर के विकास को तेज करने के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं। उन्होंने बताया कि महाराष्ट्र इंस्टीट्यूशन फॉर ट्रांसफॉर्मेशन के माध्यम से तैयार की गई पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप पॉलिसी 2026 को मंजूरी दे दी गई है। उन्होंने कहा कि यह नीति सरकारी और निजी क्षेत्र के बीच बेहतर सहयोग को बढ़ावा देने पर केंद्रित है, जिससे विकास परियोजनाओं को तेजी से पूरा किया जा सकेगा। उनके अनुसार, इस मॉडल से परियोजनाओं में पारदर्शिता, निवेश में वृद्धि और कार्यान्वयन की गति में सुधार होगा।

महाराष्ट्र में विदेशी निवेश बढ़ाने पर जोर

राज्यपाल ने आगे कहा कि राज्य के दीर्घकालिक विकास को ध्यान में रखते हुए 'डेवल्प्ड महाराष्ट्र 2047' के लिए एक व्यापक विजन डॉक्यूमेंट तैयार किया गया है। इस विजन का उद्देश्य महाराष्ट्र को विकसित राज्यों की श्रेणी में अग्रणी स्थान दिलाना है। उन्होंने यह भी बताया कि इस योजना के तहत 100 प्रमुख पहलों की पहचान की गई है, जिनके आधार पर वर्ष 2029-30 तक विभागवार एक्शन प्लान तैयार किए गए हैं। इन योजनाओं के माध्यम से विभिन्न क्षेत्रों में विकास कार्यों को व्यवस्थित और समयबद्ध तरीके से आगे बढ़ाया जाएगा।

भारत बनाम इंडिया: सुविधा और संघर्ष के बीच असमान शिक्षा–यथार्थ का पुनर्विचार

मुंबई - भारत की शिक्षा-व्यवस्था आज दो समानांतर लेकिन असमान वास्तविकताओं में विकसित होती दिखाई देती है। एक ओर 'इंडिया' है, जहाँ शहरी केंद्रों में डिजिटल कक्षाएँ, कोचिंग संस्थान, स्मार्ट अवसंरचना और वैश्विक प्रतिस्पर्धा की तैयारी दिखाई देती है; दूसरी ओर 'भारत' है, जहाँ ग्रामीण क्षेत्रों में सीमित संसाधन, लंबी विद्यालय-यात्रा और बुनियादी सुविधाओं की कमी शिक्षा को चुनौतीपूर्ण बनाती हैं।

शहरी परिदृश्य में विद्यार्थियों पर प्रदर्शन-आधारित प्रतिस्पर्धा का दबाव निरंतर बढ़ रहा है। अभिभावकीय अपेक्षाएँ, सामाजिक तुलना और कोचिंग संस्कृति कई बार मानसिक तनाव का कारण बनती हैं। इसके विपरीत ग्रामीण विद्यार्थी कठिन परिस्थितियों के बावजूद शिक्षा के प्रति निरंतर प्रयासरत रहते हैं, यद्यपि वे संरचनात्मक बाधाओं से जूझते हैं।

इस संदर्भ में राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) 2020 एक महत्वपूर्ण सुधारात्मक ढांचा प्रस्तुत करती है। यह नीति आधारभूत साक्षरता, प्रारंभिक बाल शिक्षा, बहुभाषी शिक्षण, कौशल-आधारित शिक्षा तथा डिजिटल समावेशन पर बल देती है। साथ ही, 'समग्र शिक्षा' और 'अनुभवात्मक अधिगम' जैसे सिद्धांत ग्रामीण-शहरी अंतर को कम करने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।

UDISE+ और अरएफ जैसे अध्ययन संकेत देते हैं कि ग्रामीण शिक्षा में अवसंरचना और सीखने की गुणवत्ता चुनौती बनी हुई है, जबकि शहरी शिक्षा में मानसिक स्वास्थ्य एक उभरता मुद्दा है। अतः आवश्यकता एकीकृत दृष्टिकोण की है ग्रामीण अवसंरचना सुदृढ़ीकरण, शहरी परामर्श व्यवस्था और NEP 2020 के प्रभावी क्रियान्वयन के माध्यम से संतुलन स्थापित किया जाए।

भारत की शिक्षा-नीति का उद्देश्य केवल विस्तार नहीं, बल्कि अवसरों की समानता और समग्र विकास होना चाहिए, ताकि प्रत्येक विद्यार्थी अपनी क्षमता का पूर्ण उपयोग कर सके।

आयुर्वेदिक दृष्टिकोण से मधुमेह (प्रमेह) का प्रबंधन

श्रीराम पॉलीक्लिनिक व आयुर्वेदिक दवाखाना
डॉ. मिश्रा आशिषकुमार प्रभुनाथ
(BAMS, मुंबई)
रजि. नं. 99424-अ-1
मोबाइलः 9743102575
स्थानः बोराडपाडा, चिखलोली
समयः सांयकाल 7:30 से 11 बजे तक।

मधुमेह आज एक प्रमुख जीवनशैली जनित रोग बन चुका है, जिसे आधुनिक चिकित्सा एक दीर्घकालिक मेटाबोलिक विकार मानती है। आयुर्वेद में इसे 'प्रमेह' के अंतर्गत रखा गया है, जिसका संबंध मुख्यतः कफ एवं वात दोष के असंतुलन तथा अग्निमांद्य (कमजोर पाचन शक्ति) से माना जाता है।

आयुर्वेद के अनुसार असंतुलित आहार, अनियमित दिनचर्या और तनाव इस रोग के प्रमुख कारण हैं। इसके परिणामस्वरूप शरीर में मधुर रस का संचय बढ़ जाता है और रक्त शर्करा का स्तर असामान्य हो जाता है। आयुर्वेदिक चिकित्सा में अनेक वनौषधियाँ मधुमेह नियंत्रण में सहायक मानी गई हैं, जैसे– करेला, जामुन बीज, गुड़मार, विजयसार और त्रिफला। ये औषधियाँ रक्त शर्करा को नियंत्रित करने, इंसुलिन संवेदनशीलता बढ़ाने तथा चयापचय सुधारने में सहायक होती हैं।

इसके साथ ही आहार और जीवनशैली का विशेष महत्व है। साबुत अनाज, हरी सब्जियाँ और फाइबर युक्त भोजन का सेवन लाभकारी माना जाता है, जबकि चीनी, मैदा और अत्यधिक काबोर्हाइड्रेट का सेवन सीमित करना आवश्यक है। नियमित व्यायाम, योगासन (जैसे सूर्य नमस्कार) और प्राणायाम (अनुलोम-विलोम) भी शर्करा नियंत्रण में सहायक होते हैं।

आयुर्वेद में शरीर शुद्धि हेतु पंचकर्म चिकित्सा का भी उल्लेख मिलता है, जिसमें वमन, विरेचन और बस्ती जैसी प्रक्रियाएँ दोष संतुलन में सहायक मानी जाती हैं।

आयुर्वेद मधुमेह के प्रबंधन में एक समग्र और प्राकृतिक दृष्टिकोण प्रदान करता है। यह रोग के मूल कारणों पर कार्य कर शरीर में संतुलन स्थापित करने पर बल देता है। हालांकि, गंभीर मामलों में इसे आधुनिक चिकित्सा के साथ समन्वित रूप से अपनाना अधिक सुरक्षित एवं प्रभावी माना जाता है।

Pupils Times Family wishes
Shri Abhilash Choubey

A Happy Birthday
Dear Abhilash Ji,
On this auspicious day of **9th May**,
Pupils Times Family sends you heartfelt birthday greetings. May this birthday bring you new energy, great achievements, and endless happiness.
Warmest wishes
for success and smiles always!

शुभेच्छुक **प्यूपिल्स टाइम्स परिवार**

Result Guarantee Above 90% or Money Back
If U R Not Joining Home Tuitions Then U R Missing Many Things
Mumbai's No.1 Premium Home Tuitions Academy
MUMBAI HOME & PRIVATE TUITIONS
1st to 10th ICSE / CBSE / IB / IGCSE / NIOS / State Boards
XI & XII Sci / Comm. IIT, NEET, MHT-CET
Engg, Degree, Diploma, B.Com, Bsc., BMS, MBA, Gmat, Cat, CET, English Speaking
Rajendra Deshmukh MANAGING DIRECTOR
Any Class Home Tuitions Across Mumbai
Get Admission in MBBS
NEET Qualified / Unqualified Fees 25 Lacs (Inc. Food Acc.)
ADMISSIONS OPEN
Branches : Andheri - Worli - Jogeshwari - Malad - Dadar - Borivali - Virar
Thane - Vashi - Nerul - Kharghar - Ambernath - Badlapur
Home Tuitions Benefits
1. We get personal attention but in class its not there. 2. We get Result guarranty but classes no result guarranty. 3. Syllabus Completion in our hand in classes we cannot complete in our time. 4. Its Time saving but in classes time wasted. 5. Here efficiency 10 times more than classes in classes low efficiency. 6. Class Time as per students convenience, in classes as per their time
Contact : 902 902 9222 / 80 80 80 34 12 / 8446642380 / 9209128153
https://www.mumbaihometutors.com

PRIME KEYS PROPERTIES
Beyond Dreams
BUY | SELL | RENT
FLATS • SHOPS • BUNGALOWS
LANDS • REDEVELOPMENT
Trusted Property Consultant
Residential & Commercial Deals
Best Market Price Assistance
Contact:
+91 9167378057
Your Dream Property, Our Priority

DR. ZUBER SHAH HOSPITAL & POLYCLINIC
Ambernath (W), Maharashtra
Nursing Home Reg. No.: THN-C274*
DR. ZUBER SHAH HOSPITAL & POLYCLINIC
24 HOURS EMERGENCY
FACILITIES AVAILABLE
24x7 Emergency Care - Immediate Critical Support
Diabetology & Advanced Diabetic Care
Fever Treatment (Dengue, Chikungunya, Malaria, Influenza)
Cardiology Checkup & ECG Facility
General Medicine Consultation
Vaccination & Immunization Services
Minor Surgical Procedures
OPD & IPD Care Available
Complete Health Checkups
24 HOURS EMERGENCY SERVICE AVAILABLE
DR. ZUBER S. SHAH
M.B.B.S (Reg. No. 2024020955)
Cert. in Diabetology & Emergency Medicine
+91 9323594085 / 8237304085 | Buvapada, K B Road, Ward No. 2/2, Ambernath West, Thane,
Woolen Chawl OPD : 8:00 pm to 11:30 pm | OPD Amber Care : 8149477110

नाटकम् : 'पितामहस्य नूतनं कञ्चुकम्' आधारः

श्रीमद्भगवद्गीता, अध्यायः २, श्लोकः २२

पात्राणिः अनुजः - अष्टवर्षीयः बालकः माता रामुदादः - दरिद्रः वृद्धः सूत्रधारः

दृश्यम् १ : गृहस्य कोणः (सायंकालः)

मञ्चे काष्ठाधारे पुरातनं पीतवर्णं कञ्चुकं लम्बते। अनुजः खिन्नचित्तः उपविष्टः अस्ति।

सूत्रधारः (नेपथ्यात्) ग्रीष्मावकाशः वर्तते। अनुजः मातामह-गृहम् आगतः। परन्तु अद्य तस्मिन् गृहे सा हर्षध्वनिः न श्रूयते, यथा प्रतिदिनम् आसीत्। यतः तस्य पितामहः इदानीं तस्मिन् गृहे न विद्यते।

अनुजः शनैः उत्थाय कञ्चुकस्य समीपं गच्छति, तम् आलिङ्गति।

अनुजः (विह्वलः, कञ्चुकं वक्षसि निधाय) पितामह... भवान् कुत्र गतः?

भवता उक्तम् आसीत् – आगामिनि अवकाशे महाभारत-कथां श्रावयिष्यामि इति।

भवान् मिथ्यावादी नूनम्... (रोदिति)

माता प्रवेशं करोति, हस्ते चषकः। पुत्रं दृष्ट्वा उपविशति।

माता (स्नेहेन) वत्स, पुनः पितामहस्य कञ्चुकम्?

अनुजः (अश्रूणि प्रमृज्य) मातः, इदं कञ्चुकं जीर्णम् अस्ति, किन्तु अस्मिन् तस्य गन्धः अस्ति। यदि अहं एतत् त्यजामि, तर्हि तस्य स्मृतिः अपि गमिष्यति किम्?

माता (कञ्चुकं स्पृशन्ती, मन्दस्मितेन) वत्स, शृणु कथाम् एकाम्। तव पितामहः प्रतिदिनं गीतां श्रावयति स्म, किल?

स्मरसि वा कृष्णः अर्जुनाय किम् उक्तवान्?

अनुजः न मातः, स्मरणं नास्ति...

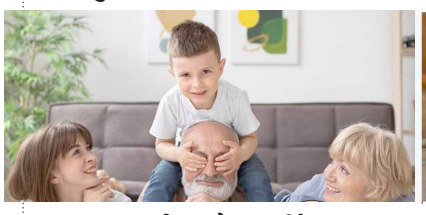

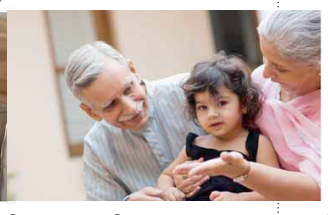

माता (गम्भीर-स्वरेण) तर्हि शृणु–

वासांसि जीर्णानि यथा विहाय
नवानि गृह्णाति नरोऽपराणि।
तथा शरीराणि विहाय जीर्णानि
अन्यानि संयाति नवानि देही॥ श्रीमद्भगवद्गीता, २.२२

अनुजः अस्य अर्थः कः मातः?

माता : यथा मनुष्यः जीर्णं वस्त्रं त्यक्त्वा नूतनं धारयति, तथैव आत्मा जीर्णं शरीरं त्यक्त्वा नूतनं शरीरं प्राप्नोति। तव पितामहः केवलं शरीर-रूपं कञ्चुकं त्यक्तवान्, न तु त्वाम्।

अनुजः (विस्मयेन) तर्हि... सः कुत्रापि न गतः?

माता (स्मितेन, शिरः आघ्राय)

आम् वत्स। सः तव हृदय-रूपे गृहे निवसति। नूतनं कञ्चुकं धारयन् सः अन्यत्र अस्ति।

प्रकाशः मन्दं भवति। अनुजः चिन्तायां मग्नः।

दृश्यम् २ : वीथी-कोणः (प्रातःकालः)

रामुदादः जीर्ण-वस्त्रधारी शीतकम्पेन तिष्ठति। अनुजः आगच्छति।

अनुजः रामुदाद...

रामुदादः (आश्चर्येण) वत्स अनुज! इदानीं प्रातःकाले?

अनुजः (कञ्चुकं प्रसार्य) इदं पितामहस्य कञ्चुकम् अस्ति।

माता अवदत्– पितामहः नूतनं कञ्चुकं प्राप्तवान्। इदं तव कृते।

रामुदादः कञ्चुकं गृह्णाति, नयनयोः अश्रूणि आगच्छन्ति।

रामुदादः(कण्ठ-गद्गदेन) वत्स... तव पितामहः स्वशरीरं त्यक्त्वा गतः,

किन्तु स्वकीयं वात्सल्यम् अत्रैव त्यक्तवान्। एतत् कञ्चुकं न, एष आशीर्वादः एव।

सूत्रधारः (अन्ते)

तस्मिन् दिने अनुजः अवगतवान् –

मृत्युः पूर्ण-विरामः न, किन्तु अर्ध-विरामः अस्ति। कथा न समाप्ता भवति, केवलं पृष्ठं परिवर्तते। सर्वे पात्राः मञ्चे आगच्छन्ति

अनुजः (प्रेक्षकान् प्रति) - शरीरं वस्त्रम् अस्ति, आत्मा परिधात्री अस्ति।

स्मृतयः कदापि न जीर्णाः भवन्ति।

सर्वे (एकस्वरेण, गम्भीर-स्वरेण)

वासांसि जीर्णानि यथा विहाय
नवानि गृह्णाति नरोऽपराणि॥

(सर्वे प्रणमन्ति। यवनिका पतति।)

Met Gala 2026 : यदा 'देहः' अभवत् फैशनस्य भाषा

प्यूपिल्स वैश्विक-फैशन-डेस्क

न्यूयॉर्क/नगरे : Met Gala 2026 अस्मिन् वर्षे फैशनस्य नूतनां परिभाषां प्रदर्शितवान्। Metropolitan Museum of Art मध्ये आयोजितस्य अस्य प्रतिष्ठितस्य समारोहस्य "Costume Art" इति विषयः तथा "Fashion Is Art" इति वस्त्र-नियमः एतत् सूचितवान् यत् अद्य फैशनस्य केन्द्रं केवलं वस्त्रं नास्ति, किन्तु मानव-देहः एव–यः अभिव्यक्तेः, विचारस्य, परिचयस्य च माध्यमं भवति।

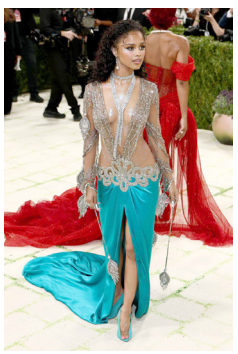

देहः: 'दर्शनात्' 'पाठनं' प्रति

कॉस्ट्यूम-इन्स्टिट्यूटस्य क्यूरेटोरियल-दृष्ट्या आयुः, मातृत्वम्, क्रीडाशील-देहः इत्यादीनि आयामानि प्रदर्श्यन्ते स्म। अनेन ज्ञायते यत् देहः न केवलं सौन्दर्यस्य विषयः, अपितु सांस्कृतिकः पाठः (Text) इव अस्ति–यः केवलं द्रष्टुं न, अपि तु अवगन्तुं व्याख्यातुं च शक्यते। अयं परिवर्तनः परम्परागत-सौन्दर्य-मानदण्डान् चुनौतीं ददाति।

रेड-कार्पेट्: कला, प्रयोगः, अर्थ-निर्माणम्

अस्मिन् वर्षे रेड-कार्पेट् न केवलं आकर्षणस्य मंचः आसीत्, किन्तु संवादस्य प्रयोगस्य च क्षेत्रम् अभवत्।

Beyoncé इत्यस्याः प्रस्तुती देहस्य सीमाः अन्तःरचनां च सूचयन्ती पारम्परिक-सौन्दर्य-धारणाः चुनौतीं दत्तवती। Venus Williams एथलेटिक-देहं उच्च-फैशन-विमर्शे प्रतिष्ठाप्य 'शक्ति-नाजुकता' इति द्वन्द्वं भङ्गं कृतवती।

Nicole Kidman मातृत्वं सार्वजनिक-रूपेण दर्शयित्वा भावात्मकं मानवीयं च आयामं समाविष्टवती।

एते सर्वे उदाहरणानि दर्शयन्ति यत् फैशनम् अद्य केवलं शोभा न, किन्तु अर्थ-निर्माणस्य प्रक्रिया अस्ति।

फैशनम्, पूंजी च प्रश्नाः

उच्च-टिकट-मूल्यं तथा कॉर्पोरेट-प्रायोजनम् एतत् प्रश्नं उत्थापयतः–किं फैशनं दानं च अद्य 'स्पेक्टेकल्' इति प्रदर्शनमेव जातम्? एषा प्रवृत्तिः Thorstein Veblen इत्यस्य 'Conspicuous Consumption' सिद्धान्तस्य समकालीन-दृष्टान्तं ददाति।

परिवर्तितः विमर्शः

Met Gala 2026 सूचयति यत् फैशनम् अद्य केवलं सौन्दर्यस्य न, किन्तु सामाजिक-सांस्कृतिक-संवादस्य मंचः अभवत्।

पूर्वं प्रश्नः आसीत् - 'इदं कियत् सुन्दरम्?'

अधुना तु–'अयं देहः किं वदति?'

एषः परिवर्तनः फैशनं केवल-प्रवृत्तेः परं नीत्वा विचार-विमर्शयोः माध्यमं करोति।

आकाशे स्वयंचालिताः सेनाः –ड्रोण–झुण्ड–प्रौद्योगिकी भारतस्य नव–शौर्यम्

संस्कृत-विज्ञान-स्तम्भः

'भाषा प्राचीना, चिन्तनं नूतनम्'

परिचयः

ड्रोण-झुण्ड-प्रौद्योगिकी आधुनिक-विज्ञानस्य एका महती क्रान्तिः अस्ति। अस्यां व्यवस्थायां बहूनि मानवरहित-यानानि एकस्मिन् एव काले, एकस्मै एव लक्ष्याय, परस्परं समन्वयं कृत्वा उड्डीयन्ते। इयं प्रणाली केन्द्रीकृतेन अथवा विकेन्द्रीकृतेन नियन्त्रण-तन्त्रेण सञ्चाल्यते।

अस्याः मूलाधारः प्रकृतेः 'समूह-बुद्धिः' अस्ति। यथा नभसि पक्षिणां झुण्डः, भूमौ च मधुमक्षिकाणां गणः स्वयंसंगठितरूपेण प्रवर्तते, तथैव प्रत्येकं ड्रोणयानं स्वायत्तं सत् अपि सामूहिक-लक्ष्यस्य सिद्धये समर्पितं भवति।

आपत्काले जीवनरक्षक-भूमिका

भूकम्प-जलप्लावन-वनाग्नि-प्रभृतिषु आपत्सु यदा विस्तीर्ण-प्रदेशानां क्षणेन अन्वेषणम् आवश्यकं भवति, तदा ड्रोण-झुण्डः अमोघः सिद्धयति।

शतशः ड्रोणाः एकत्र उड्डीय आपद्ग्रस्त-क्षेत्राणां त्रि-आयामी मानचित्रं विरचयन्ति, जीवितानां श्वासान् ताप-संवेदकैः अन्विष्य उद्धार-दलाय सटीकं स्थान-निर्देशं यच्छन्ति। आपत्काले यः कालः स्वर्णादपि मूल्यवान्, तस्य रक्षणं झुण्डः करोति।

सुरक्षा-निरीक्षणे मौन-प्रहरी

सीमाक्षेत्रेषु, नगरीय-भीड-स्थलेषु, राष्ट्रिय-महोत्सवेषु च ड्रोण-झुण्डाः आकाशे मौन-प्रहरिणः इव तिष्ठन्ति।

उच्च-विभेदन-कैमरा, ताप-संवेदक-यन्त्राणि, रात्रि-दर्शन-प्रणाल्यः च धारयन्तः एते वास्तविक-समये सुरक्षा-संस्थाभ्यः सूचनां प्रेषयन्ति। अनेन संभाव्य-संकटानां पूर्वमेव आभासः भवति, प्रतिकारः च शीघ्रं सम्भवति।

कृत्रिम-बुद्धिमत्ता-संयोजनम्

AI-संयोजनात् ड्रोण-झुण्डः केवलम् आज्ञाकारी न, अपितु 'स्वयं-निर्णायकः' भवति।

मार्गे वृक्षः, विद्युत्-तन्तुः, अकस्मात् पक्षी वा आगच्छेत् – ड्रोणाः स्वयमेव मार्गं परिवर्तयन्ति, परस्परं न संघट्टन्ते, लक्ष्यं च न विस्मरन्ति। मानवीय-हस्तक्षेपः न्यूनीभवति, कार्यक्षमता च बहुगुणिता भवति।

माजुलीद्वीपे मिसिङ्–जनजातेः जलजीवनजीवटतामयी नदीसंस्कृतिः

ब्रह्मपुत्रनद्याः कूले विकसितः एकः सजीवः समुदायः

बुद्धिप्रेरणाशक्तिमती

Dr Vandana Mishra
M.A. NET(JRF) PHD

असमप्रदेशस्य माजुली द्वीपे निवसन्ती मिसिंग जनजाति स्वान् 'जलस्य पुत्रान्' इति अभिमन्यते। ब्रह्मपुत्र नदी सह तेषां सम्बन्धः केवलं भौगोलिकः न, अपितु सांस्कृतिकः अस्तित्वात्मकश्च अस्ति। उपलब्धजनगणनाङ्कानां क्षेत्रीयाध्ययनानां च आधारेण अस्य द्वीपस्य जनसंख्यायां तेषां उल्लेखनीया उपस्थितिः दृश्यते। ऐतिहासिकदृष्ट्या एषा जनजातिः तानी-समूहस्य अंशत्वेन परिगण्यते, या मध्यकाले उच्चप्रदेशेभ्यः असमस्य समतलप्रदेशेषु आगत्य प्रतिष्ठिता।

मिसिङ्-जनजीवनस्य प्रमुखं लक्षणं 'चाङ्गगृहाणि' इति प्रसिद्धानि भवन्ति। एतानि बांसकाष्ठनिर्मितानि गृहाणि भूमेः उपरि उच्चैः स्तम्भैः प्रतिष्ठितानि भवन्ति। बाढसमये कुटुम्बाः उपरिभागे सुरक्षिततया वसन्ति, अधोभागे तु पशुपालनं भण्डारणं च क्रियते। एषा रचना प्रकृतेः सह संघर्षं न दर्शयति, अपि तु तया सह सह-अस्तित्वस्य परिपक्वां परम्पराम् उद्घाटयति।

जीविकायां 'नदी ददाति, हरति च' इति तत्त्वं स्पष्टतया प्रतिफलति। बाढोत्तरकाले उपजाऊमृत्तिकायां धानं अन्याश्च कृषयः क्रियन्ते, मत्स्यग्रहणं च दैनिकजीवनस्य अविभाज्यः अङ्गः अस्ति। स्त्रीणां हस्तकरघकला, विशेषतः पारम्परिकवस्त्रनिर्माणम्, तेषां सांस्कृतिकपहचानं दृढयति।

सांस्कृतिकजीवनस्य केन्द्रं अली-आये-लिगांग नामकः उत्सवः अस्ति, यः कृषिचक्रस्य आरम्भस्य प्रतीकः। अस्मिन् अवसरे 'गुमराग' इति नृत्यं, लोकगीतानि, पारम्परिकभोजनानि च समुदायरूपेण एकतां सुदृढयन्ति तथा नवजीवनस्य सन्देशं वहन्ति।

तथापि नदीकटावस्य बाढप्रभावस्य च कारणात् माजुलीद्वीपस्य क्षेत्रफलम् निरन्तरं 'सं गच्छति, येन बहवः परिवाराः विस्थापनस्य क्लेशं अनुभवन्ति। तथापि अस्य समुदायस्य विश्वासः अचलः अस्ति यत् स्वभूमेः सम्बन्ध एव तेषां अस्मितायाः मूलम् अस्ति।

मिसिङ्-समाजस्य आस्था मूलतः प्रकृतिपूजापरम्परासु निहिता अस्ति, यत्र सूर्यचन्द्रयोः उपासना प्रचलिता। कालान्तरं वैष्णवपरम्पराया अपि प्रभावः तत्र समाविष्टः, येन एकस्मिन् एव परिवेशे द्वयोः परम्परयोः समन्वयः दृश्यते। एषः सांस्कृतिकसमन्वयः तेषां लचीलतां जीवटतां च प्रकाशयति।

माजुलीद्वीपस्य अयं जीवनदृष्टान्तः केवलं बाढया सह संघर्षस्य कथा न, अपि तु प्रकृतेः सह संतुलितजीवनस्य सजीवः आदर्शः अस्ति। यावत् ब्रह्मपुत्र नदी प्रवहति, यावत् चाङ्गगृहाणि तिष्ठन्ति, तावत् एषा संस्कृति अपि जीविता, अडिगा च भविष्यति।

Mumbai Birth Certificate Scam: SIT Formed To Probe Over 87,000 Fake Documents

Pupils Times Analysis

Mumbai : A Special Investigation Team (SIT) has been formed by the Mumbai Police to investigate a massive birth certificate fraud within the Brihanmumbai Municipal Corporation (BMC). The SIT will be led by Lakhmi Gautam, the Joint Commissioner of Police (Crime Branch), as per media reports.

The investigation centers on 87,347 birth certificates issued through an unauthorized SAP system by the BMC's health department. By bypassing the central government's Civil Registration System (CRS) portal, these certificates exposed deep systemic vulnerabilities in identity verification protocols. Due to the serious national security and identity fraud implications, Chief Minister Devendra Fadnavis personally ordered the formation of the SIT to root out those responsible

for exploiting the system.

A probe into Mumbai's municipal wards has revealed that 87,347 birth certificates were illegally generated via a discontinued SAP system, according to Mayor Ritu Tawde, cited by The Hindu. This breach violates the Registration of Births and Deaths Act, 1969, which mandates that all registrations be handled solely through the central government's CRS portal.

It was revealed that 87,347 unauthorized documents were issued via a defunct SAP system between 2024 and 2026.

The systemic breach, which bypassed the central government's mandatory registration portal, came to light following a formal complaint by senior BJP leader Kirit Somaiya and a subsequent directive from State Deputy Chief Registrar Dr Babita Kamalapurkar.

Hindi Language Examination Pause

A Question of Administrative Framework and Linguistic Balance

Mumbai : The Maharashtra Government's decision to temporarily suspend the Lower and Higher Grade Hindi language examinations conducted for gazetted officers and employees is not merely an administrative adjustment, but a significant indication of a broader reconsideration of language policy. This system had long been in place to ensure linguistic proficiency among government employees, but recent circumstances have raised questions about its continued relevance.

This examination framework formed part of the early post-independence administrative structure, designed to strengthen coordination and efficiency within a multilingual governance system. Over time, it underwent several modifications, yet its core objective remained unchanged. The recent suspension appears to have been influenced by socio-political responses and concerns regarding linguistic sensitivity. On one hand, it is argued that making a language examination compulsory may impose additional pressure on employees. On the other hand, it remains equally true that linguistic proficiency is essential for effective public service in an all-India administrative framework. A particularly important question arises regarding officers who wish to serve Hindi-speaking regions. If such examinations are completely discontinued, institutional pathways for voluntary language learning may weaken, and incentives for acquiring language skills may decline. This could also affect field-level communication for officers serving in central services across Hindi-speaking states. From the perspective of Pupils Times, a balanced approach is necessary. The Hindi examination system should not be treated as a mandatory service condition, but rather restructured into a voluntary certification framework. At the same time, modern, practical, and digitally enabled language training modules should be developed to meet real administrative requirements.

This development is not merely the suspension of an examination system, but an opportunity to reassess administrative language policy. The objective should be to transform language from a compulsory burden into a capacity-building tool, ensuring it serves as a bridge for communication rather than a barrier.

Maharashtra Govt Clears New Class 6 Curriculum

Rollout From June Academic Session

Mumbai: The Maharashtra government has approved a new curriculum framework for Class 6, which will be implemented from the upcoming academic session starting in June, state's School Education Minister Dadaji Bhuse said on Tuesday.

The approval comes after the state-level steering committee for curriculum under the Maharashtra State Board cleared the revised frameworks for Classes 2, 3 and 4 earlier. The decision was taken at a meeting chaired by Bhuse at the office of the Maharashtra Primary Education council, an official release issued here said. Bhuse said that along with Classes 2, 3 and 4, the new Class 6 curriculum will also be rolled out from the upcoming academic year. "In accordance with the National Education Policy, the curriculum framework has been designed by defining difficulty levels and focusing on learning outcomes," he said. He added that after receiving final clearance from the curriculum coordination committee under the School Education Commissioner, textbooks will be prepared by 'Balbharati' and made available before the start of the academic session.

State Council of Educational Research and Training (SCERT) Director Hemant Vasekar said that state-level master training programmes for teachers on the new curriculum and textbooks for Classes 2, 3 and 4 will be organised later this month, followed by district-level training sessions.

Beyond NEET: A World of Medical Careers Waiting to Be Explored

Every year, millions of students compete for NEET with the dream of becoming doctors. However, limited MBBS seats mean that only a fraction succeed. For many, the outcome leads to disappointment and the mistaken belief that their medical career path has ended. In reality, the healthcare sector extends far beyond MBBS and offers a wide range of respected and rewarding career opportunities that do not require NEET.

ANURAG SHUKLA
Chief Editor

Medical education today is no longer confined to a single profession. It has evolved into a vast ecosystem where allied health sciences, technology, and management roles are equally essential in saving and improving lives.

B.Sc. Nursing stands as one of the most in-demand professions, offering strong employment opportunities in hospitals across India as well as abroad. GNM provides skill-based training that enables students to enter the workforce quickly and begin a stable nursing career.

Pharmacy courses such as B.Pharm and D.Pharm open pathways into the pharmaceutical industry, hospital pharmacy systems, and drug research and manufacturing sectors, all of which continue to grow globally.

Medical Laboratory Technology (MLT) plays a crucial role in modern diagnostics, enabling professionals to work in pathology labs and assist in disease detection. Similarly, Radiology and Imaging Technology offers expertise in advanced diagnostic tools such as MRI, CT scan, and X-ray systems.

Physiotherapy builds careers in rehabilitation medicine, sports injury recovery, and physical wellness, while Occupational Therapy focuses on improving the quality of life of individuals with physical or mental challenges.

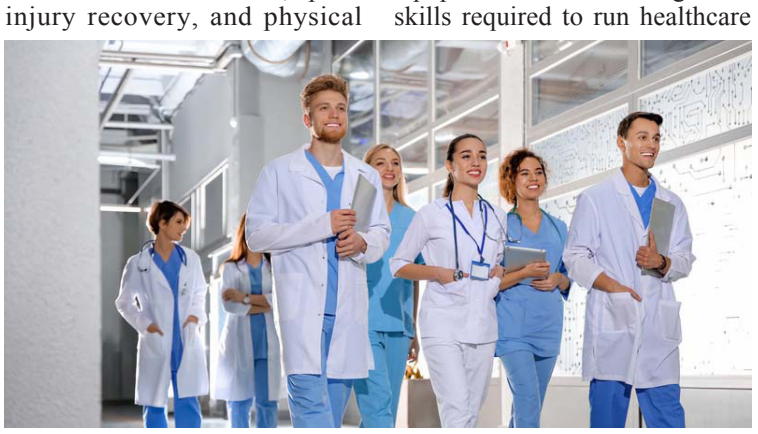

Optometry provides specialized training in eye care and vision correction, and Nutrition & Dietetics supports careers in hospitals, fitness industries, and public health nutrition planning.

Biotechnology opens doors to research-based careers in genetics, pharmaceuticals, and medical innovation. Hospital Administration equips students with management skills required to run healthcare institutions efficiently.

Additionally, AYUSH systems such as Ayurveda, Homeopathy, and Naturopathy offer alternative medical career paths rooted in traditional and holistic healing practices.

Most of these programs do not require NEET and can be pursued after completing 12th grade with Physics, Chemistry, and Biology. The demand for skilled healthcare professionals in these fields continues to rise, offering stable employment in both government and private sectors. Many of these careers also provide strong opportunities abroad along with the possibility of self-employment through clinics, labs, and consultancy services.

From the perspective of Pupils Times, NEET should be seen as one of many gateways—not the only one. The healthcare sector values a wide range of professionals, each contributing uniquely to patient care and medical systems. Choosing the right path based on interest and aptitude is more important than limiting oneself to a single examination outcome.

The reality is clear: medical education is not restricted to becoming a doctor. It is a vast and evolving field filled with opportunity, dignity, and growth for those willing to explore beyond conventional choices.

PUPILS TIMES

Friday, 8 May to 14 May 2026

India, Vietnam Elevate Ties To Enhanced Strategic Partnership - PM Modi

New Delhi: India and Vietnam on Wednesday elevated their relations to enhanced comprehensive strategic partnership and vowed to significantly expand economic and defence ties following talks between Prime Minister Narendra Modi and Vietnamese President To Lam.

PM Modi said the two countries have a common outlook for the Indo-Pacific and both sides will continue to contribute to the rule-of-law, peace, stability, and prosperity. It is understood that China's growing military muscle-flexing figured in the delegation-level talks between the two sides. Lam, accompanied by a high-level delegation, kick started his three-day trip to India on Tuesday. It is his first state visit to the country since his election as the president this month. India and Vietnam decided to elevate ties to the level of enhanced comprehensive strategic partnership, PM Modi said in his media statement. "Vietnam is a key pillar of India's Act East Policy and Vision Ocean. In the Indo-Pacific region as well, we share a common outlook," PM Modi said. "Through our strengthening defence and security cooperation, we will continue to contribute to the rule-of-law, peace, stability, and prosperity," he said. The prime minister said India will broaden its relations with ASEAN (Association of Southeast Asian Nations) with Vietnam's cooperation. To boost financial connectivity, we decided to enhance cooperation between central banks of the two countries, he said. India's UPI and Vietnam's fast payment system are going to be linked soon, he added. In his remarks, Lam said both sides agreed to deepen political trust and elevate security cooperation.

Last year, the two sides inked a pact to set up a framework for submarine search, rescue and support mechanism. They also signed a letter of intent (LoI) to strengthen bilateral defence industry collaboration.

The Hidden Cost of Digital India

The Rising Challenge of E-Waste

Pupils Times Analysis

India has rapidly entered a digital era where technology has become an essential part of daily life. Affordable smartphones, 5G expansion, digital payments, e-governance, and online education have transformed the country's social and economic structure. From rural areas to major cities, digital devices now power education, healthcare, governance, and employment opportunities, positioning India as a global digital leader.

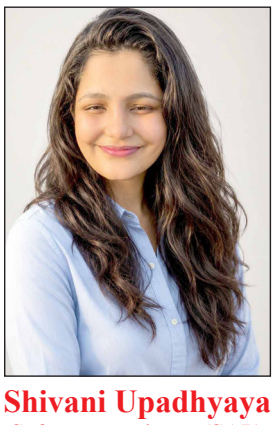

Shivani Upadhyaya
Software engineer (SAP)

However, behind this progress lies a growing environmental concern electronic waste or e-waste. This includes discarded electronic devices such as mobile phones, laptops, televisions, refrigerators, air conditioners, and batteries. With fast technological upgrades and short device life cycles, e-waste generation is increasing at an alarming rate.

E-waste is not ordinary garbage; it is a toxic environmental hazard. While it contains valuable materials like copper, gold, and aluminium, it also carries dangerous substances such as lead, mercury, and cadmium. Improper disposal leads to soil, water, and air pollution, creating long-term environmental damage and serious health risks.

A large portion of India's e-waste is processed in the informal sector, where safety measures are minimal. Unsafe recycling practices like open burning of wires or acid-based metal extraction expose workers to toxic chemicals and harmful fumes, resulting in severe health problems and environmental degradation in surrounding areas.

To address this issue, India has introduced policies such as Extended Producer Responsibility (EPR), making manufacturers responsible for collecting and recycling their products. Efforts are also being made to strengthen recycling systems and improve tracking mechanisms. However, gaps in implementation and public awareness remain significant challenges.

Digital India represents progress, but its sustainability depends on responsible waste management. E-waste highlights an important truth: technological advancement must go hand in hand with environmental responsibility .

" Freezing Disease to Cure Life":

Cryosurgery as a Silent Revolution in Modern Surgery

Cryosurgery is an advanced and minimally invasive surgical technique in modern medical science, in which diseased tissues are destroyed using extremely low temperatures. In this procedure, liquid nitrogen (-196°C) or other cryogenic gases are commonly used, which freeze and subsequently destroy the affected cells. The fundamental principle of this technique is that when tissues are exposed to extreme cold, ice crystals form within the cells, leading to the rupture of cell membranes. At the same time, blood circulation is obstructed, and the cells gradually die and are naturally eliminated by the body. In this way, treatment of diseased tissue becomes possible without large surgical incisions. Cryosurgery is mainly used in the treatment of skin diseases, warts, small tumors, and certain types of cancer such as prostate and liver cancer.

It has also shown limited but effective applications in gynecology and ophthalmology. The major advantages of this technique include reduced pain, minimal bleeding, faster recovery, and shorter hospital stays. Compared to traditional surgery, it is considered more safe and patient-friendly. However, it also has certain limitations, such as reduced effectiveness in large or deep-seated tumors and the requirement of specialized technical expertise.

Cryosurgery represents a significant advancement in medical science, making treatment more precise, safer, and less invasive. In the future, this technology is expected to play an even more prominent role in the field of cancer treatment.

Our Cognitive Power

Dr. Arvindsingh Rana
MBBS, DNB (General Surgery)
General & Laparoscopic Surgeon | Coloproctologist FACRSI, FMAS, FIAGES

In a recent statement he said, Only those who understand the grace of bowing can truly wear the crown.

LIC
LIFE INSURANCE CORPORATION OF INDIA
"With you in life, and after life"

POPULAR LIC PLANS:
- Jeevan Labh — Limited Premium, High Returns
- New Children's Money Back — Secure Your Child's Future
- Jeevan Umang — Whole Life Cover + Pension Benefits
- Bima Jyoti — Guaranteed Additions, Safe Growth
- Also Available – Complete Financial Planning Guidance

KEY BENEFITS:
- Life Insurance + Savings Plan
- Child Education and Marriage Planning
- Retirement Planning
- Tax Benefits Available

भारतीय जीवन बीमा निगम
"जिंदगी के साथ भी, जिंदगी के बाद भी"

FREE POLICY CONSULTATION

LIC Agent
Archana Shukla
+91 91129 39085
+91 74998 67628
Shop No. 2, Near Vithal Mandir, New Vadavali Chowk, Badlapur (West) – 421503
LIC Agent ID: 04497939

PUPILS TIMES

Core Committee

Anurag Shukla
Chief Editor

Shivprakash Pandey
Chief Publisher

Vikas Maurya
Co Publisher

Address: Shop No. 3, Khatri NX Aprt., Valivali, Badlapur (West) - 421503
Contact: 9004331751
Web: pupilstimes.com

(The editor does not necessarily agree with the news, articles, and advertisements published in this issue. Any disputes are subject to the jurisdiction of the Mumbai courts.)

Printed, Published & Owned by : **ANIL MISRA,** Printed at **SOMANI PRINTING PRESS Printing Press,** UNIT NO.04, GROUND FLOOR, N. K. INDUSTRIAL ESTATE, OFF. AAREY ROAD, GOREGAON (E) , MUMBAI, MAHARASHTRA - 400064. **Published at:** 94, 1/3 JAI JAWAN VASAHAT, SHIVSHRUSHTI ROAD, KURLA (EAST), MUMBAI - 400024 (MAHARASHTRA)
Editor - **ANIL MISRA** Mob: **92208 68564** **Email:** anilmisrapc@gmail.com **PRGI. No.: MHMUL/25/A2419**